हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

वर्षः5 अंकः56 पृष्ठः08 मुल्यः1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, सोमवार, 02 मार्च 2026

पुष्कर सिंह धामी के वन-क्लिक से जारी हुई फरवरी 2026 की पेंशन किश्त

पथ प्रवाह, देहरादून।

प्रदेश सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत फरवरी 2026 की पेंशन किश्त रविवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वन-क्लिक के माध्यम से जारी की। मुख्यमंत्री आवास में आयोजित समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान 9,57,651 लाभार्थियों के खातों में कुल 14,191.61 लाख रुपये अर्थात 141 करोड़ 91 लाख 61 हजार रुपये की धनराशि सीधे हस्तांतरित की गई। इस राशि में मासिक पेंशन के साथ एरियर भुगतान भी शामिल है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेंशन प्रकरणों का निस्तारण समयबद्ध और पूर्ण पारदर्शिता के साथ किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसके लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने और पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं से जोड़ने के लिए नवाचार आधारित कार्ययोजना शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम के अंतर्गत राज्यभर में लगाए गए शिविरों का सकारात्मक प्रभाव सामने आया है, जिसके परिणामस्वरूप पेंशन लाभार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने विशेष रूप से दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों में ऐसे शिविर निरंतर आयोजित करने पर जोर दिया, ताकि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सामाजिक सुरक्षा का लाभ सुनिश्चित किया जा सके।

योजनावार वितरण का विवरण

फरवरी माह में वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत 5,93,184 लाभार्थियों को 1500 रुपये प्रतिमाह की दर से 8897.76 लाख रुपये वितरित किए गए। विधवा पेंशन योजना के तहत 2,31,593 लाभार्थियों को 1500 रुपये प्रतिमाह के अनुसार 3473.895 लाख रुपये प्रदान किए गए।

दिव्यांग पेंशन योजना में 87,477 लाभार्थियों को 1500 रुपये प्रतिमाह के अनुसार 1312.155 लाख रुपये हस्तांतरित किए गए। किसान पेंशन योजना के अंतर्गत 27,638 लाभार्थियों को 1200 रुपये प्रतिमाह की दर से 331.656 लाख रुपये दिए गए।

परित्यक्ता पेंशन योजना में 8,096 लाभार्थियों को 1200 रुपये प्रतिमाह के अनुसार 97.24 लाख रुपये वितरित किए गए, जबकि भरण-पोषण अनुदान योजना के तहत 7,409 लाभार्थियों को 700 रुपये प्रतिमाह की दर से 51.86 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई।

इसके अतिरिक्त तीलू रौतेली पेंशन योजना में 2,125 लाभार्थियों को 1200 रुपये प्रतिमाह के अनुसार 25.5 लाख रुपये तथा बौना पेंशन योजना के अंतर्गत 129 लाभार्थियों को 1200 रुपये प्रतिमाह की दर से 1.55 लाख रुपये की धनराशि हस्तांतरित की गई। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं हैं, बल्कि सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि कमजोर, वंचित और जरूरतमंद वर्गों को सम्मानपूर्वक जीवनयापन हेतु निरंतर आर्थिक संबल उपलब्ध कराया जाए।

बैठक में सचिव श्रीधर बाबू अद्यांकी, अपर सचिव संदीप तिवारी, संजय सिंह टोलिया सहित समाज कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

खामेनेई की हत्या और ईरान पर हमले के खिलाफ कई देशों ने जताया विरोध, संयुक्त राष्ट्र ने बताया अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

नयी दिल्ली, 01 मार्च (वार्ता) ईरान पर अमेरिका-इजरायली हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गयी है। ईरान पर हमले पर प्रतिक्रिया देने में कई देशों ने जहां शब्दों के चयन में सावधानी बरती है तो कुछ देशों ने खुलकर विरोध किया है।

संयुक्त राष्ट्र समेत रूस, यूरोपीय संघ , चीन, दक्षिण अफ्रीका, उत्तर कोरिया, मलेशिया, चीन, ओमान, इराक आदि देशों ने रविवार को खुले शब्दों में ईरान पर हमले का विरोध किया।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस प्रमुख ने रविवार को ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हवाई हमलों की निंदा की और क्षेत्र तथा दुनिया को 'तबाही के कगार से वापस लाने' के लिए तत्काल बातचीत शुरू करने का आह्वान किया।

गुटेरेस ने कहा कि अमेरिका-इजरायल का हमला संयुक्त राष्ट्र चार्टर सहित अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। उन्होंने बहरीन, इराक, जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करने के लिए ईरान के जवाबी हमलों की भी निंदा की। रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन ने तो श्री खामेनेई की हत्या को 'सनक में की गयी' तक बता दिया। रूसी राष्ट्रपति ने श्री खामेनेई की मृत्यु को एक ऐसी हत्या बताया, जिसने 'मानवीय नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी मानदंडों' का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि खामेनेई को रूस में एक 'उत्कृष्ट राजनेता' के रूप में याद किया जायेगा।

चीन ने भी इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में बल प्रयोग या इसकी धमकी का विरोध और निंदा करता है। सभी को संयुक्त राष्ट्र चार्टर का पालन करना चाहिए। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा क्लास ने श्री खामेनेई के निधन को 'ईरान के इतिहास में निर्णायक क्षण' बताया। उन्होंने 'एक्स' कहा कि यूरोपीय संघ तनाव कम करने के लिए व्यावहारिक कदम खोजने पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, 'आगे क्या होगा यह अनिश्चित है। लेकिन अब एक अलग ईरान के लिए रास्ता खुला है, जिसे आकार देने के लिए वहां के लोगों के पास अधिक स्वतंत्रता हो सकती है।' वहीं इराक के प्रभावशाली धर्मगुरु मुक्तदा अल-सद्र सहित अन्य इराकी नेताओं ने रविवार को श्री खामेनेई के निधन पर शोक जताया। ईरान के साथ अलग स्तर का संबंध रखने वाले शिया समूहों के सत्तारूढ़ गठबंधन, 'कोऑर्डिनेशन फ्रेमवर्क' ने कहा, 'अत्यधिक दुख और गहरी पीड़ा के साथ, हम शहीद नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं।' गठबंधन ने आगे कहा, ' उनका खून सभी पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक प्रकाश बना रहेगा और अभिशाप हमेशा के लिए हत्यारे जायोनी लोगों का पीछा करता रहेगा।' इसके साथ ही उन्होंने तीन दिन के शोक की घोषणा की। ओमान, जो ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में मध्यस्थता करता रहा है, ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी कार्रवाई 'अंतरराष्ट्रीय कानून के नियमों और दुश्मनी व रक्तपात के बजाय शांतिपूर्ण माध्यमों से विवादों को सुलझाने के सिद्धांत का उल्लंघन है।'

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि शत्रुता को तत्काल और बिना शर्त समाप्त करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, 'मैं अमेरिका और ईरान से आग्रह करता हूं कि वे तनाव बढ़ाने के बजाय कूटनीतिक रास्ता अपनायें और अंतरराष्ट्रीय समुदाय बिना किसी दोहरे मानदंड के तत्परता से कार्य करे। इसके अतिरिक्त, इस समय मेरी चिंता ईरान और क्षेत्र के अन्य स्थानों में मलेशियाई नागरिकों की सुरक्षा को लेकर है।

अमेरिकी इजरायली हमलों में ईरान के सुप्रीम नेता खामेनेई की मौत, राष्ट्रपति सहित तीन लोगों की परिषद ने संभाली बागडोर

तेहरान/वाशिंगटन, 01 मार्च (वार्ता) ईरान की राजधानी तेहरान पर शनिवार तड़के हुए अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई (86) की मौत हो गयी। श्री खामेनेई के अलावा मारे गए प्रमुख लोगों में सैन्य बलों के प्रमुख अब्दुलरहीम मौसवीं और ईरान के रक्षा मंत्री कमांडर अजीज नसीरजादेह, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) कमांडर मोहम्मद पाकपुर और सुरक्षा सलाहकार एवं रक्षा परिषद के सचिव अली शमखानी और पूर्व राष्ट्रपति अहमदीनेजाद शामिल हैं। खामेनेई के निधन के बाद देश की बागडोर एक तीन सदस्यीय समिति को सौंप दी गयी। इसमें राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश गुलाम हुसैन मोहसेनी एजेई और कानून विद अलीरेजा अराफी शामिल हैं। इसके अलावा शीर्ष सैन्य अधिकारी अहमद वाहिदी को आईआरजीसी का नया कमांडर नियुक्त किया है।

खामेनेई की मौत के बाद 40 दिन की शोक अवधि का ऐलान किया गया है। श्री खामेनेई की बेटी, दामाद और नाती भी हमलों में मारे गयी। फ़ार्स समाचार एजेंसी ने कहा, 'सर्वोच्च नेता के घर में जानकार सूत्रों से संपर्क स्थापित करने के बाद,उनकी बेटी, दामाद और नाती की मौत की खबर की दुर्भाग्यवश पुष्टि हो गयी है।' एजेंसी ने यह भी कहा कि राजधानी पर हुए हमलों में श्री खामेनेई 'अपने घर में मौजूद कार्यालय में अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए शहीद हुए।' बाद में सरकारी टेलीविजन ने उनकी मृत्यु की पुष्टि की। ईरान सरकार ने इस हत्या को 'एक बड़ा अपराध' बताया, और कहा यह 'इस्लामी दुनिया के इतिहास में एक नया अध्याय लिखेगा। पेज़ेशकियन ने इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए कहा है कि इज़रायल और अमेरिका के हमलों का बदला लेना ईरान का 'कानूनी हक और जिम्मेदारी' है। उन्होंने सरकारी मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई 'दुनिया के सबसे बुरे खलनायक के हाथों' मारे गये।

वेस्टइंडीज को हराकर भारत टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में

कोलकाता। संजू सैमसन (नाबाद 97) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने रविवार को टी-20 विश्वकप में सुपर आठ के आखिरी मुकाबले में वेस्टइंडीज को चार गेंदें शेष रहत पांच विकेट से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। संजू सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

196 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत के लिए संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 29 रन जोड़े। तीसरे ओवर में अकील हुसैन ने अभिषेक शर्मा (10) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद जेसन होल्डर ने इशान किशन (10) को भी आउटकर पवेलियन भेज दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव (18), तिलक वर्मा 15 गेंदों में (27) और हार्दिक पंड्या 17 रन बनाकरआउट हुये।

इस दौरान संजू सैमसन एक छोर थामे तेजी के साथ रन बनाते रहे। भारत ने 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 199 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से अपने नाम करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। संजू सैमसन ने 50 गेंदों में 12 चौके और चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 97 रनों की पारी खेली। शिवम दुबे ने चार गेंदों में नाबाद आठ रन बनाये।

इससे पहले आज यहां रॉस्टन चेज (40), जेसन होल्डर (नाबाद 37) और रोवमन पॉवेल (नाबाद 34) की शानदार पारियों के दम पर वेस्टइंडीज ने भारत को जीत के लिए 196 रनों का लक्ष्य दिया।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत की मौजूदगी में विधायक और महापौर ने जमकर खेली कार्यकर्ताओं के संग फूलों की होली

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत की उपस्थिति में ऋषिकुल मैदान में होली मिलन समारोह फागोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं संग जहां जमकर फूलों की होली खेली गई वहीं एकता और समरसता का संदेश भी दिया गया। विधायक मदन कौशिक और महापौर किरण जैसल ने ऋषिकुल मैदान में फागोत्सव 2026 के जरिए कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और जोश का संचार किया।

भारतीय जनता पार्टी विधानसभा हरिद्वार द्वारा रविवार को ऋषिकुल मैदान में होली मिलन समारोह फागोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया गया था। इस अवसर पर जब पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत मंच पर पहुंचें तो कार्यक्रम का वातावरण राजनीतिक ऊर्जा और सांस्कृतिक चेतना से भर उठा। उन्होंने कार्यकर्ताओं और उपस्थित जनसमूह को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय लोकपरंपराओं, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। अपने संबोधन में उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकपरंपराएं किसी भी समाज की आत्मा होती हैं और इन्हें संरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि होली जैसे पर्व कार्यकर्ताओं को आपसी मतभेद भुलाकर एक सूत्र में बांधते हैं और संगठन को वैचारिक

रूप से और अधिक मजबूत बनाते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि भाजपा कार्यकर्ता इन सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश फैलाएं और युवा पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ें। उनके विचारों में संस्कृति, संगठन और राष्ट्रभाव का स्पष्ट समन्वय दिखाई दिया, जिसने उपस्थित कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और जोश भर दिया

फागोत्सव सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम : मदन कौशिक

'फागोत्सव 2026' को लेकर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि यह आयोजन केवल होली मिलन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि संगठनात्मक मजबूती और सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि फागोत्सव के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच आपसी संवाद, एकजुटता और ऊर्जा का संचार होता है, जो राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मदन कौशिक ने स्पष्ट किया कि ऐसे आयोजन पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करते हैं तथा जनता से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि 'फागोत्सव 2026' यह संदेश देता है कि भाजपा अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर राजनीति करती है और लोकपरंपराओं के संरक्षण को अपनी प्राथमिकता मानती है। विधायक मदन कौशिक ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस उत्सव की भावना को आगे बढ़ाते हुए केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं। उनके अनुसार फागोत्सव संगठन के भीतर सकारात्मक माहौल बनाता है और आने वाले समय में राजनीतिक विजय की मजबूत नींव तैयार करता है।

होली धर्म, संप्रदाय के बंधन से परे का त्योहार

महापौर किरण जैसल ने कहा कि होली के त्योहार पर खेले जाने वाले रंग हमें प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण प्रेम का संदेश देते हैं आज फूलों की होली के माध्यम से इस अवधारणा को भी बलवती और शसक्त किया गया है भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विकास तिवारी ने कहा कि होली का त्योहार आकर्षक और मनोहर रंगों का त्योहार है, यह एक ऐसा त्योहार है जो हर धर्म, संप्रदाय, जाति के बंधन की सीमा से परे जाकर लोगों को भाई-चारे का संदेश देता है। इस दिन सारे लोग अपने पुराने गिले-शिकवे भूल कर गले मिलते हैं और एक दूजे को गुलाल लगाते हैं और एक-दूसरे को होली के पावन पर्व की शुभकामनाएँ देते हैं। कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट, मंडल अध्यक्ष प्रशांत शर्मा, राजेंद्र कटारिया, अन्नू कक्कड़, सरदार हरमोहन सिंह, मुनेश सैनी, दीपांशु विद्यार्थी, पूर्व जिला अध्यक्ष ठाकुर सुशील चौहान, सुशील त्यागी, संदीप गुप्ता, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रीति गुप्ता, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अभिनव चौहान, पूर्व जिला अध्यक्ष संदीप गोयल, जिला उपाध्यक्ष आशु चौधरी आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

हुड़दंग करने वाले 5 आरोपियों पर पुलिस की कार्रवाई

पथ प्रवाह, हरिद्वार। थाना सिडकुल पुलिस ने क्षेत्र में सरेआम पर सड़क पर हो हल्ला व हुड़दंग बाजी कर रहे पांच युवकों के खिलाफ कार्रवाई की है। उनके इस कृत्य से आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पुलिस के मुताबिक कुछ लोगों द्वारा उक्त व्यक्तियों का विरोध भी किया जा रहा था। राहगीरों में आम जन में काफी रोश व्याप्त था। मौके पर पुलिस कर्मचारियों द्वारा पहुंचकर इन युवकों को काफी समझाया बुझाया गया किंतु ये नहीं माने। इसके बाद पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए पांचों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में कार्रवाई की। आरोपियों में केशव कुमार निवासी रविदास मंदिर के पास रावली महदूद, रजत निवासी रावली महदूद, दीपक निवासी लाल मंदिर कालोनी, कुलदीप निवासी हेत्तमपुर रोशनाबाद शामिल है।

घरों से समान चोरी करने के आरोप में दो सगे भाई गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। घरों के अंदर से मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान चोरी करने के आरोप में पुलिस ने दो सगे भाईयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक दोनों ने शिवालिक नगर के जे- कलस्टर स्थित दो घरों को अपना निशाना बनाया था। दोनो आरोपियो के कब्जे से चोरी के आभूषण, मोबाइल व साइकिल बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक बीती 26 फरवरी को जे-97 शिवालिक नगर में अज्ञात चोरों द्वारा वादी रंजीत झा के घर की दीवार फांदकर घर के अन्दर से मन्दिर में रखी गणेशजी व लक्ष्मीजी की चाँदी की मूर्तियां व चौकीदार का एक की-पैड मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया था। तहरीर के आधार पर ले जाने की शिकायत पर कोतवाली रानीपुर में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके अलावा 26 फरवरी को ही जे-67 शिवालिक नगर में वादी रविकान्त गुप्ता के घर के अन्दर से अज्ञात चोरों द्वारा उनकी साईकिल चोरी कर ले जाने की शिकायत के आधार पर कोतवाली रानीपुर में मुकदमा दर्ज किया गया था। दोनो अभियोगो की घटना के अनावरण व अज्ञात चोरों की तलाश हेतु उच्चाधिकारीगण के निर्देशन में रानीपुर पुलिस टीमो द्वारा तत्काल कार्यवाही कर विभिन्न सुरागों अध्ययन करते हुए चैकिंग के दौरान इन्द्रलोक कालोनी की तरफ से आने वाले कच्चे रास्ते से दो आरोपियो विकास उर्फ डीके व राजू कुमार को धर दबोचकर उनके कब्जे से दोनों अभियोगों में चोरी किये गये समान की बरामदगी की गयी। पूछताछ पर आरोपियो ने बताया कि वह सगे भाई है और नशे के आदी है। नशे की लत को पूरा करने के लिए वह सामान चोरी कर सस्ते दामों में बेच देते हैं। दोनों पहले भी कई बार चोरी मे जेल गये हैं, अभी जमानत पर बाहर आए हुए है।

रानीपुर विधायक आदेश चौहान के भव्य होली मिलन कार्यक्रम में खेली गई फूलों की होली

पथ प्रवाह, हरिद्वार। रानीपुर विधानसभा क्षेत्र में विधायक आदेश चौहान ने भव्य होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस होली मिलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत रहे। कार्यक्रम में पारंपरिक होली गीत, बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ फूलों की होली खेली गई। कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय जनता ने भी होली मिलन कार्यक्रम में प्रतिभाग कर जमकर आनंद उठाया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सभी को होली की बधाई देते हुए कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं बल्कि सामाजिक सुधार, प्रेम और एकता का प्रतीक भी है। यह पर्व हमें सभी भेदभाव मिटाकर आपसी भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करने का संदेश देता है। विशिष्ट अतिथि संत श्री हरिचेतनानंद ने कहा कि सनातन परंपरा के अनुरूप आपसी भाईचारे के साथ सुरक्षित पर्यावरण अनुकूल और सौहार्दपूर्ण होली मनाए। विधायक आदेश चौहान ने सभी क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व प्रेम, स्वार्थ और एकता का प्रतीक है जो समाज में सांस्कृतिक एकता और

समरसता को सुधार करता है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरिद्वार विधायक मदन कौशिक,मेयर किरण जैसल, राज्यमंत्री सुनील सैनी,विकास तिवारी,सांसद प्रतिनिधि अतुल वशिष्ठ, प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा रीता चमोली, जिलाध्यक्ष प्रीति गुप्ता प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अभिनन्दन गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष आशु चौधरी,लव शर्मा मंडल अध्यक्ष वरुण वशिष्ठ,विपिन शर्मा,पार्षद आशुतोष चक्रपाणी, हरविंदर विक्की, सुनील पांडेय,नागेंद्र चौहान, विनीत चौहान,मगेंद्र सैनी, मनोज प्रालिया,नगरपालिका शिवालिकनगर सभासद पंकज चौहान, विरेन्द्र अवस्थी,शीतल पुंडीर, अमरदीप सिंह रोबिन, डा0 राजकुमार यादव,जिला पंचायत सदस्य बिमलेश देवी,दर्शना सिंह, प्रतिनिधि विजय चौहान, चमन चौहान, ग्राम प्रधान नीरज चौहान, प्रमोद पाल, अनिल चौहान सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गंगनहर पुलिस ने नाबालिग को पानीपत से किया बरामद, आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

कोतवाली गंगनहर पुलिस ने एक नाबालिग लड़की को अपर्हत करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया है। आरोपी के खिलाफ बीती 25 फरवरी को कोतवाली गंगनहर क्षेत्र निवासी व्यक्ति द्वारा लिखित तहरीर दी गई थी।

वादी ने बताया था कि उनकी नाबालिग पुत्री (उम्र 14 वर्ष) घर से बिना बताए कहीं चली गई है। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना गंगनहर पर मु0अ0सं0 83/2026 अभियोग पंजीकृत किया गया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा अपहृता की शीघ्र बरामदगी हेतु निर्देशित किया गया। आदेश के अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली गंगनहर द्वारा अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप पुलिस

टीम द्वारा परिजनों की सहायता से नाबालिग किशोरी को पानीपत, हरियाणा से सकुशल बरामद किया गया। पूछताछ में किशोरी द्वारा बताया गया कि उसे शुभम उर्फ छोटा पुत्र पप्पू निवासी बस्तम थाना देवबंद, उत्तर प्रदेश द्वारा बहला-फुसलाकर पानीपत लाया गया था। अपहृता के बयान के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में पोक्सो अधिनियम की बढ़ोत्तरी की गई। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

कनखल पुलिस ने किरायेदार का सत्यापन न कराने पर मकान मालिक पर लगाया जुर्माना

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर जनपद में चलाए जा रहे सत्यापन अभियान के दौरान कनखल थाना पुलिस ने रविवार को लोगों का सत्यापन किया। इस दौरान 30 व्यक्तियों का मौके पर सत्यापन किया गया। मौके पर पुलिस एक्ट में 2 व्यक्तियों के चालान किये गए जबकि किरायेदार का सत्यापन न कराने पर एक मकान मालिक पर जुर्माना लगाया गया।

बतादें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा बाहरी व्यक्तियो, किरायेदारों, कबाडियो व घरेलू नौकरो का सत्यापन करने के निर्देश दिये गए हैं। अभियान के तहत रविवार को थाना कनखल पुलिस द्वारा अलग-अलग टीमें बनाकर बैरागी कैम्प कनखल आदि जगहों में निवासरत बाहरी व्यक्तियों, किरायेदारों, व घरेलू नौकरों के सत्यापन के? लिए सघन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमो द्वारा 30 व्यक्तियों का सत्यापन कराया गया तथा मौके पर बिना सत्यापन के किरायेदार, घरेलू नौकर व बाहरी व्यक्तियो को रखने वाले एक मकान मालिक के विरूद्ध (83) पुलिस एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपये का कोर्ट चालान किया गया।

मौके पर 81 पुलिस अधिनियम के अन्तर्गत 02 व्यक्तियों के 250/- रुपये (कुल 500 रु0) के चालान किये गये। इसके अतिरिक्त अभियान के दौरान मकान मालिको को अपने किरायेदारों, घरेलू नौकरों एवं बाहरी व्यक्तियो का शीघ्र सत्यापन करने हेतु निर्देशित किया गया, तथा किरायेदारो, घरेलू नौकरो, फड ठेली वालो को भी यथाशीघ्र अपना-अपना सत्यापन कराने हेतु जागरूक किया गया। पुलिस टीम में देवेन्द्र सिंह रावत थाना प्रभारी, व0उ0नि0 सतेन्द्र भण्डारी, अ0उ0नि0 मुकेश धीमान, का0 कुलदीप प्रसाद, का0 गजय तोमर, म0 कानि0 सुमन राणा शामिल रही।

पिरान कलियर पुलिस ने भी किया सत्यापन

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार के निर्देशानुसार बाहरी लोगों के सत्यापन व आपराधिक घटनाओ की रोकथाम तथा आपराधिक/संदिग्ध तत्वों पर लगाम लगाने के लिए थानाध्यक्ष पिरान कलियर के द्वारा रैन बसेरो में निवासरत बाहर से आये जायरीनों व रिहाईशी ईलाको में निवासरत होटल, मकान मालिकों व बाहरी संदिग्ध व्यक्तियो, किरायेदारों, के सत्यापन के लिए सघन अभियान चलाया गया।

एक नजर

भगवानपुर पुलिस ने की शांति समिति की बैठक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। एसएसपी नवनीत सिंह के आदेश पर होली और रमजान पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए हरिद्वार पुलिस स्थानीय लोगों के साथ थाना और चौकी स्तर पर गोष्ठी आयोजित कर लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील कर रही है। इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी मंगलौर व एसडीएम भगवानपुर द्वारा कोतवाली भगवानपुर परिसर में आगामी होली पर्व को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए शांति समिति की बैठक की गई। बैठक में संम्भ्रात व्यक्तियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में उपस्थित सभी सदस्यों से होली के त्योहार को शान्ति पूर्वक सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु सुझाव लिए गये व अपील की गयी।

अवैध स्मैक के साथ एक नशा तस्कर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्यमंत्री उत्तराखंड के ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत जनपद को नशा मुक्त करने व नशा तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्यावही किये जाने लिए अभियान चलाया जा रहा है। एसएसपी के निर्देश पर थाना पुलिस नशा तस्करों पर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में श्यामपुर पुलिस द्वारा चलाये जा रहे चैकिग अभियान के दौरान श्यामपुर पुलिस के द्वारा चौकी चण्डीघाट क्षेत्रान्तर्गत गौरीशंकर पार्किग चण्डीघाट के पास एक आरोपी आजम पुत्र नूरहसन निवासी ग्राम बूढाहेडी थाना पथरी थाना श्यामपुर जिला हरिद्वार को अवैध स्मैक सहित पकड़ा। आरोपी के विरूद्ध थाना श्यामपुर एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजिकृत किया गया है। आरोपी से विस्तृत पूछताछ जारी है, आरोपी का आपराधिक इतिहास की जानकारी गयी तो आरोपी पता चला कि आजम पर जनपद के थाना पथरी व थाना खानपुर पर पूर्व में आपराधिक मामले दर्ज है।

चुराई गई पानी की मोटर व पंखें के साथ एक गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कोतवाली रुड़की पुलिस ने चोरी की एक घटना का खुलासा करते हुए चुरायी गई पानी की मोटर और पंखा बरामद करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक 28 फरवरी को वादी सुकरमा निवासी ग्राम टोडा एतमाल कोतवाली रुड़की द्वारा दी गई लिखित शिकायत के आधार पर वादिया के खेत से पानी की मोटर व पंखा चोरी करने के संबंध में कोतवाली रुड़की पर मुकदमा अपराध संख्या 69/ 26 धारा 303 (2) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत कराया गया। अज्ञात आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने दिनांक 28.02.26 को संदिग्ध अभय कुमार को टोडा एतमाल से चोरी किए गए माल के साथ गिरफ्तार किया।

रेड लाइट जंप पर सख्ती: अभद्रता के बावजूद पुलिस ने किया ऑनलाइन चालान

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार में यातायात नियमों के उल्लंघन पर पुलिस की सख्ती लगातार जारी है। ताजा मामला शहर के व्यस्ततम शंकराचार्य चौक का है, जहां रेड लाइट जंप करने पर यातायात पुलिस ने एक कार चालक का चालान किया। इस दौरान चालक द्वारा पुलिस पर दबाव बनाने और अभद्रता करने की भी बात सामने आई है।

जानकारी के अनुसार, शंकराचार्य चौक पर यातायात उप निरीक्षक नवनीत त्यागी ड्यूटी पर तैनात थे। इसी बीच एक कार चालक ने कथित रूप से रेड लाइट का उल्लंघन किया। यातायात पुलिस ने वाहन को रोककर चालक से पूछताछ की। आरोप है कि वाहन रोकने के बाद चालक ने पुलिसकर्मियों से अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया और अपने परिजनों का परिचय देकर दबाव बनाने का प्रयास किया।

चालक का कहना है कि उसने रेड लाइट पर वाहन रोका हुआ था। उसके अनुसार, यातायात पुलिस ने स्वयं हाथ देकर उसे पास बुलाया और फिर रेड लाइट जंप करने का एक हजार रुपये का चालान करने की बात कही। चालक ने बताया कि उसने अपना ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन की आरसी भी दिखा दी थी। इस दौरान कहासुनी बढ़ गई और हाथापाई की स्थिति उत्पन्न हो गई।

वहीं यातायात उप निरीक्षक नवनीत त्यागी ने स्पष्ट किया कि वाहन चालक ने रेड लाइट जंप की थी। नियमों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि रेड लाइट जंप करना गंभीर यातायात उल्लंघन है, जिसमें तीन माह तक लाइसेंस निरस्त किए जाने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि चालक के पास लाइसेंस की केवल फोटोकॉपी थी। नकद चालान की बात पर चालक उत्तेजित हो गया, लेकिन बाद में वाहन का ऑनलाइन चालान कर दिया गया।

घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा, हालांकि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया। यातायात पुलिस का कहना है कि सड़क सुरक्षा और नियमों के पालन के लिए ऐसे अभियानों को आगे भी सख्ती से जारी रखा जाएगा।

एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के आदेशों के बाद ट्रैफिक पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद नजर आ रही है। होली के त्योहार के चलते यातायात व्यवस्था को सुचारू रखा जा रहा है।

गणेश गोदियाल ने पाबौ में स्थानीय लोगों के साथ मनायी होली

पथ प्रवाह, पाबौ। पाबौ क्षेत्र में होली का उत्सव इस बार विशेष उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने पाबौ पहुंचकर क्षेत्रीय जनता के साथ रंगों का पर्व धूमधाम से मनाया। उनके आगमन पर स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर क्षेत्र में एक रैली का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और आपसी प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे का संदेश दिया।

रैली के बाद सभी लोग पाबौ के खुड्डेश्वर मैदान में एकत्रित हुए, जहां होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पौड़ी के राठ क्षेत्र से आई होलियारों की टीम ने पारंपरिक होली गीत प्रस्तुत कर माहौल को पूरी तरह रंगीन बना दिया। ढोल-दमाऊं की थाप पर उपस्थित लोगों ने पहाड़ी नृत्य किया और लोकसंस्कृति की छटा बिखेरी। गणेश गोदियाल भी होली गीतों में शामिल हुए और स्थानीय लोगों के साथ कदम से कदम मिलाकर नृत्य किया।

इस दौरान एक-दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी गईं। गोदियाल ने अपने संबोधन में कहा कि होली का त्योहार आपसी मतभेद भुलाकर प्रेम और एकता को मजबूत करने का संदेश देता है। उन्होंने क्षेत्र की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद नेगी, कविन्द्र इष्टवाल, कर्मवीर भंडारी, संदीप रावत, पाबौ मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र नेगी, सचिन रावत, दिनेश सिंह,राजेश चमोली,विमला देवी,पुष्कर रावत,लता डोभाल सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला।

एचईसी कॉलेज में खूब उड़ा गुलाल, रंगों और उल्लास के बीच मना होली महोत्सव

पथ प्रवाह, हरिद्वार

एचईसी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में सांस्कृतिक क्लब के तत्वावधान में होली महोत्सव 'रंग बरसे' 2026 का भव्य आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों द्वारा गणेश वंदना से की गई, जिसके साथ पूरे परिसर में भक्तिमय और सकारात्मक वातावरण का संचार हुआ।

महोत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। नृत्य, संगीत और मनोरंजक खेलों ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। परिसर में फूलों और गुलाल की होली खेली गई, जहां छात्रों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। स्वादिष्ट मिठाइयों और रोमांचक होली लकी ड्रॉ ने उत्सव के आनंद को और बढ़ा दिया। पूरे आयोजन के दौरान एकता, भाईचारे और सामूहिक उल्लास का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

संपादकीय

वैश्विक घटनाएँ और स्थानीय प्रतिक्रियाः संयम, संवाद और जिम्मेदारी की जरूरत

उत्तराखंड के रुड़की में हाल ही में ईरान से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय घटना को लेकर शिया समुदाय द्वारा किया गया विरोध प्रदर्शन यह दर्शाता है कि वैश्विक घटनाओं का प्रभाव स्थानीय स्तर तक गहराई से पहुंचता है। अमेरिका-ईरान तनाव और उससे जुड़ी खबरों ने भावनात्मक प्रतिक्रिया को जन्म दिया, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्वाभाविक भी है। किंतु ऐसे संवेदनशील विषयों पर संतुलन, तथ्यों की पुष्टि और सामाजिक जिम्मेदारी अत्यंत आवश्यक हो जाती है।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति अक्सर जटिल कूटनीतिक, सामरिक और वैचारिक समीकरणों से संचालित होती है। पश्चिम एशिया की परिस्थितियाँ दशकों से अस्थिर रही हैं, और वहां की हर बड़ी घटना का असर विश्वभर के मुस्लिम समुदायों सहित विभिन्न समूहों पर पड़ता है। ऐसे में किसी भी घटना पर प्रतिक्रिया देना नागरिकों का अधिकार है, परंतु यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि प्रतिक्रियाएँ कानून और व्यवस्था की सीमाओं में रहें। भारत जैसे बहुलतावादी लोकतंत्र में विभिन्न विचारों और भावनाओं के लिए स्थान है। विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसके साथ यह जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है कि सामाजिक सौहार्द और शांति प्रभावित न हो। धार्मिक और राजनीतिक भावनाएँ जब उग्र रूप ले लेती हैं, तो उनका असर स्थानीय सामंजस्य पर पड़ सकता है। इसलिए नेतृत्वकर्ताओं और संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है कि वे भावनाओं को संयमित दिशा दें। दूसरी ओर, किसी भी अंतरराष्ट्रीय घटना पर आधिकारिक जानकारी और विश्वसनीय स्त्रोतों की पुष्टि भी आवश्यक है। अफवाहें या अपुष्ट खबरें सामाजिक तनाव को बढ़ा सकती हैं। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया के माध्यम से सूचनाएँ तीव्र गति से फैलती हैं, जिससे स्थिति और संवेदनशील हो सकती है। ऐसे समय में प्रशासन की सतर्कता और नागरिकों की समझदारी दोनों जरूरी हैं।

भारत सरकार की विदेश नीति स्वतंत्र और संतुलित रही है, जो राष्ट्रीय हितों और कूटनीतिक मर्यादाओं पर आधारित होती है। किसी भी वैश्विक घटना पर प्रतिक्रिया देना सरकार का अधिकार क्षेत्र है, जिसका निर्धारण व्यापक रणनीतिक दृष्टिकोण से किया जाता है। इसलिए जनभावनाओं के साथ-साथ राष्ट्रीय हितों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के संतुलन को भी समझना आवश्यक है।

समाज के विभिन्न वर्गों को यह ध्यान रखना चाहिए कि भारत की पहचान उसकी विविधता, सहिष्णुता और कानून के शासन से है। विरोध का स्वर यदि शांति और मर्यादा के साथ उठे, तो वह लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक बनता है; लेकिन यदि वह उग्रता या टकराव का रूप ले, तो इससे सामाजिक समरसता को नुकसान पहुंच सकता है। आज आवश्यकता है संयम, संवाद और जिम्मेदार अभिव्यक्ति की। वैश्विक घटनाओं पर संवेदना व्यक्त करना स्वाभाविक है, परंतु देश की आंतरिक शांति और आपसी भाईचारे को सर्वोच्च प्राथमिकता देना हर नागरिक का कर्तव्य भी है।

अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा और भारतः जोखिम, अवसर और रणनीतिक संतुलन

भूपेन्द्र गुप्ता

21वीं सदी की वैश्विक राजनीति का केंद्रीय अक्ष आज अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा है। यह प्रतिस्पर्धा केवल सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीक, व्यापार, आपूर्ति-श्रृंखला, समुद्री मार्गों और वैश्विक संस्थानों के प्रभाव तक फैली हुई है। ऐसे समय में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए इस टकराव से कैसे अवसर भी निकाले।

सबसे पहले, यह समझना आवश्यक है कि अमेरिका-चीन संबंध 'प्रत्यक्ष युद्ध' की दिशा में नहीं, बल्कि 'रणनीतिक प्रतिस्पर्धा' की दिशा में बढ़ रहे हैं। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, दक्षिण चीन सागर और ताइवान जलडमरूमध्य जैसे मुद्दे तनाव के केंद्र हैं। अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना चाहता है, जबकि चीन आर्थिक और सैन्य शक्ति के आधार पर अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। इसी संदर्भ में त्त्व्हुस्र (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) जैसे मंच उभरे हैं, जिनका उद्देश्य मुक्त और समावेशी इंडो-पैसिफिक की अवधारणा को मजबूत करना है।

भारत के लिए यह स्थिति एक दोधारी तलवार है। एक ओर, चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (स्न्रष्ट) पर तनाव ने भारत को सुरक्षा दृष्टि से अधिक सतर्क बना दिया है। रक्षा सहयोग, संयुक्त सैन्य अभ्यास और तकनीकी साझेदारी के माध्यम से अमेरिका के साथ संबंधों में गहराई आई है। इससे भारत की सामरिक क्षमता और समुद्री सुरक्षा मजबूत हुई है। दूसरी ओर, भारत को यह भी सुनिश्चित करना है कि वह पूरी तरह किसी एक ध्रुव में न बंधे, क्योंकि उसकी विदेश नीति की आधारशिला 'रणनीतिक स्वायत्तता' रही है।

आर्थिक दृष्टि से देखें तो अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा भारत के लिए अवसरों का द्वार भी खोलती है। 'चाइना+1' रणनीति के तहत कई बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अपनी आपूर्ति-श्रृंखला का विविधीकरण कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, रक्षा विनिर्माण और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भारत निवेश आकर्षित कर सकता है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (क्ष्ढ्ढ) योजनाएँ इसी दिशा में एक प्रयास हैं। यदि भारत बुनियादी ढाँचे, श्रम-कौशल और लॉजिस्टिक्स में सुधार करता है, तो वह वैश्विक विनिर्माण का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

तकनीकी क्षेत्र में भी प्रतिस्पर्धा स्पष्ट है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5त्र, चिप निर्माण और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में नियम और मानक तय करने की होड़ है। भारत ने डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कुछ चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध तो लगाया है और डेटा संप्रभुता पर जोर दिया है। किंतु यह भी सच है कि भारत का पूरा डाटा संसार एनड्रॉयड के आंगन में खेल रहा है।हम अभी भी 35-40 साल पुराने विनडोज और माईक्रोसाफ्ट पर निर्भर हैं। किसी भी दिन हमें फ्रीज किया जा सकता है।

हालांकि उन्नत तकनीक में पश्चिमी देशों के साथ सहयोग के नए अवसर भी सामने आए हैं। परंतु भारत को आत्मनिर्भर तकनीकी आधार विकसित करने की दिशा में निरंतर निवेश करना होगा, ताकि वह केवल उपभोक्ता न रहे, बल्कि आत्मनिर्भर नवाचार का केंद्र भी बने। प्रतिपरधी देशों की ऊर्जा नाकेबंदी,ईंधन की सप्लाई में अवरोध और परिवहन पर नियंत्रण इस युद्ध का एक संभावित लक्ष्य हो सकता है।भारतीय नेतृत्व भी इस दबाव का शिकार हो सकता है। ऊर्जा और समुद्री मार्गों का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। खाड़ी क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में किसी भी प्रकार का तनाव भारत के व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। इसलिए भारत के लिए समुद्री सुरक्षा सहयोग, ऊर्जा स्त्रोतों का विविधीकरण और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार की मजबूती आवश्यक है।

केजरीवाल संबंधी निर्णय : संकेत, सन्देश और सियासत

तनवीर जाफ़री

दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने पिछले दिनों विवादित दिल्ली आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने सीबीआई द्वारा अदालत में पेश किये गये सबूतों को कमज़ोर और अपर्याप्त बताया और कहा कि आरोपियों की कोई आपराधिक साज़िश या इरादा साबित नहीं हुआ। अदालत ने कहा कि केवल दावे पर्याप्त नहीं होते बल्कि ठोस सबूत होने भी ज़रूरी हैं। अदालत ने कहा कि चार्जशीट में ख़ामियां हैं और कोई साक्ष्य भी नहीं मिला। इस अदालती फ़ैसले के बाद राजनैतिक हल्क़ों में हलचल तेज़ हो गयी है। ग़ौरतलब है कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने नवंबर 2021 में नई आबकारी नीति लागू की थी। इस नीति का उद्देश्य शराब की बिक्री का निजीकरण कर ग्राहक सुविधा बढ़ाना और शराब की काला बाज़ारी रोकना बताया गया था। परन्तु जुलाई 2022 में मुख्य सचिव की रिपोर्ट में प्रक्रियागत ख़ामियां , मनमाने फ़ैसले और 500 करोड़ से अधिक का नुक़्सान बताते हुए दिल्ली के तत्कालीन एल जी, वी के सक्सेना ने सीबीआई जांच की सिफ़ारिश की।

उस समय केंद्र सरकार की अधीनस्थ संस्थाओं सीबीआई और ईडी द्वारा यह आरोप लगाया गया कि दिल्ली सरकार के तत्कालीन आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा इस नयी आबकारी नीति को निजी शराब कंपनियों को फ़ायदा पहुंचाने के लिए तैयार किया गया था। जिसमें 100 करोड़ के कैशबैक आम आदमी पार्टी के कई नेताओं को मिले। तत्कालीन मुख्य मंत्री अरविन्द केजरीवाल को इस पूरे मामले का मुख्य साज़िशकर्ता बताया गया। इसके बाद जुलाई 2022 में एलजी की सिफ़ारिश से ही अगस्त में सीबीआई व ईडी द्वारा केस रजिस्टर्ड किया गया तथा सितंबर में नयी आबकारी नीति रद्द कर दी गयी । इसी के बाद फ़रवरी 2023 में मनीष सिसोदिया को और मार्च 2024 में केजरीवाल को गिरफ़्तार कर लिया गया। अब जहाँ संबंधित अदालत द्वारा केजरीवाल व सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया गया हैं वहीं ख़बर यह भी है कि निचली अदालत के इस फ़ैसले को चुनौती देने हेतु सी बी आई संभवतः हाई कोर्ट का रुख़ कर सकती है।

बहरहाल इस अदालती फ़ैसले के बाद विपक्ष एक बार फिर केंद्र सरकार पर हमलावर है। क्योंकि मोदी सरकार के दौरान ही अरविंद केजरीवाल के अलावा और भी कई विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों और नेताओं पर ईडी, सीबीआई जैसी एजेंसियों ने कार्रवाई करने की कोशिश की। इनमें गिरफ़्तारियां भी हुईं, परन्तु अधिकांश मामलों में या तो ज़मानत मिली या मामले डिस्चार्ज हुये या फिर उन्हें अदालत से राहत मिली। उदाहरण स्वरूप झारखंड के मुख्यमंत्री पद पर आसीन हेमंत सोरेन को 2024 में ईडी द्वारा लैंड स्कैम और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे मामलों में गिरफ़्तार किया गया। उन्हें सीएम पद से इस्तीफ़ा देकर जेल जाना पड़ा। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 2026 में ईडी की कार्यवाही पर स्टे लगा दिया और वे रिहा होने के बाद पुनः मुख्यमंत्री बने। इसी तरह कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के विरुद्ध ईडी ने स्ह्न्रष्ठ स्कैम में हाईकोर्ट ने जांच की मंजूरी तो दे दी परन्तु लोकायुक्त ने उन्हें क्लीन चिट दे दी। यूँही कभी केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को ईडी द्वारा 466 करोड़ रूपये का स्नश्वरूनोटिस जारी किया गया व कई कारण बताओ नोटिस जारी किये गये। परन्तु अभी तक कोई गिरफ़्तारी नहीं हो सकी। इसी तरह तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव,डी शिवकुमार,पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी जैसे और भी कई नेताओं से ई डी व सी बी आई पूछताछ कर चुकी है।

पिछले दिनों हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को भी पंचकूला के एजेएल ज़मीन आवंटन मामले में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा हुड्डा के ख़िलाफ़ आरोप तय किए जाने के आदेश को रद्द कर दिया है और उन्हें 'क्लीन चिट' दे दी। इसके आधार पर आरोप तय करने के सीबीआई कोर्ट के आदेश को ख़ारिज कर दिया गया। परन्तु केंद्र सरकार के अधीनस्थ कार्यरत ईडी, सी बी आई या आयकर जैसे विभाग विपक्षी नेताओं पर कोई न कोई आरोप मढ़कर उन्हें न केवल परेशानियों में डाल देते हैं बल्कि इस तरह के आरोपों से उनके राजनैतिक चरित्र को भी दाग़दार बनाने की पूरी कोशिश करते हैं। और सही मायने में जो वास्तव में भ्रष्ट होते हैं वे तो आनन् फ़ानन में दल बदल कर भजपाई वाशिंग मशीन से गुज़रकर चरित्रवान होने का प्रमाण पत्र हासिल कर लेते हैं। और भय वश उपजी इस प्रीत के बदले में उन्हें कहीं मुख्य मंत्री तो कहीं उपमुख्यमंत्री,मंत्री,सांसद या अन्य उच्च पदों पर सुशोभित कर दिया जाता है। आंकड़े यूँही नहीं बताते कि ईडी ने 2014 से लेकर अब तक क़रीब 121 प्रमुख नेताओं पर मामले रजिस्टर्ड किये इन में 95% विपक्षी नेता थे। और 2015 से 2025 तक ईडी द्वारा दर्ज 193 मामलों में केवल 2 ही दोष सिद्धियां हुईं। शेष अधिकांश मामलों में या तो अदालत ने आरोपियों को राहत दी या फिर सुबूतों के अभाव में मामले कमज़ोर पड़ गये।

जहाँ तक केजरीवाल संबंधी अदालती निर्णय के बाद उपजी सियासत का सवाल है तो जहां अदालती फ़ैसला आते ही विपक्ष एकजुट होकर केजरीवाल के साथ खड़ा नज़र आ रहा था वहीँ केजरीवाल का बिलख बिलख कर रोते हुये मीडिया के सामने पेश होकर अपनी बेगुनाही का सुबूत देना चाह रहे थे। और हद तो तब हो गयी जबकि उसी दिन बुलाई गयी एक प्रेस कॉन्फ़्रेंस में वे उन्हें जेल भेजने वाली भाजपा से भी ज़्यादा कांग्रेस पर ही निशाना साधते नज़र आये। सत्ता से सवाल पूछने के बजाये वे यह कहते सुनाई दिये कि केजरीवाल जेल गया, क्या रॉबर्ट वाड्रा जेल गए? संजय सिंह जेल गए, क्या राहुल गांधी जेल गए? मनीष सिसोदिया जेल गए, क्या सोनिया गांधी जी जेल गईं? कांग्रेस किस मुंह से बात करती है, शर्म नहीं आती? ज़ाहिर है यह केजरीवाल की राजनीतिक बयानबाज़ी का ही एक हिस्सा था जिससे विपक्षी एकता कमज़ोर हुई। क्योंकि अब कांग्रेस भी पूछ रही है कि 30 से अधिक मामलों से जूझने वाले राहुल की आँखों में कभी आंसू नहीं आये तो केवल एक मामले का सामना करने में केजरीवाल का इसतरह मीडिया के सामने रोने का क्या अर्थ है? केजरीवाल के कांग्रेस विरोधी बयान को राजनैतिक विश्लेषक पंजाब, उत्तराखंड, गोवा व गुजरात में होने वाले आगामी चुनावों से जोड़कर भी देख रहे हैं।

गुलाल में घुली संवेदनाएं, सावधानी में छिपी खुशियां

योगेश कुमार गोयल

रंगों के त्यौहार होली पर भला कौन ऐसा व्यक्ति होगा, जो आपसी द्वेषभाव भुलाकर रंग-बिरंगे रंगों में रंग जाना नहीं चाहेगा। लोग एक-दूसरे पर रंग डालकर, गुलाल लगाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं लेकिन होली के दिन प्राकृतिक रंगों के बजाय चटकीले रासायनिक रंगों का बढ़ता उपयोग चिंता का सबब बनने लगा है। ज्यादातर रंग अम्लीय अथवा क्षारीय होते हैं, जो व्यावसायिक उद्देश्य से ही तैयार किए जाते हैं और थोड़ी सी मात्रा में पानी में मिलाने पर भी बहुत चटक रंग देते हैं, जिससे होली पर इनका उपयोग अंधाधुंध होता है। ऐसे रंगों का त्वचा पर बहुत हानिकारक प्रभाव पड़ता है। शुष्क त्वचा वाले लोगों और खासकर महिलाओं व बच्चों की कोमल त्वचा पर तो इन रंगों का सर्वाधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। अम्ल तथा क्षार के प्रभाव से त्वचा पर खुजलाहट होने लगती है और कुछ समय बाद छोटे-छोटे सफेद रंग के दाने त्वचा पर उभरने शुरू हो जाते हैं, जिनमें मवाद भरा होता है। यदि तुरंत इसका सही उपचार कर लिया जाए तो ठीक, अन्यथा त्वचा संबंधी गंभीर बीमारियां भी पनप सकती हैं। घटिया क्वालिटी के बाजारू रंगों से एलर्जी, चर्म रोग, जलन, आंखों को नुकसान, सिरदर्द इत्यादि विभिन्न हानियां हो सकती हैं। कई बार होली पर बरती जाने वाली छोटी-छोटी असावधानियां भी जिंदगी भर का दर्द दे जाती हैं। इसलिए अगर आप अपनी होली को खुशनुमा और यादगार बनाना चाहते हैं तो कुछ विशेष बातों पर अवश्य ध्यान दें। रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक रंगों का ही इस्तेमाल करें। ज्यादातर बाजारू रंगों में इंजन ऑयल तथा विभिन्न घातक केमिकल मिले होते हैं, जिनका त्वचा पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। होली खेलने से पहले चेहरे तथा पूरे शरीर पर सरसों अथवा नारियल का तेल या कोल्ड क्रीम अथवा सनस्क्रीन क्रीम लगा लें ताकि रोमछिद्र बंद हो जाएं और रंग त्वचा के ऊपरी हिस्से पर ही रह जाएं। इससे होली खेलने के बाद त्वचा से रंग छुड़ाने में भी आसानी होगी। होली खेलने से पहले बालों में अच्छी तरह तेल लगा लें और नाखूनों पर कैस्टर ऑयल लगाएं ताकि बाद में रंग आसानी से छुड़ाया जा सके। होली खेलने जाने से पूर्व आंखों में गुलाब जल डालें और जहां तक संभव हो, आंखों पर चश्मा लगाकर होली खेलें ताकि रंगों का असर आंखों पर न पड़ सके।

महिलाएं होली खेलते समय मोटे तथा ढ़ीले-ढ़ाले सूती तथा गहरे रंग के वस्त्र पहनें। सफेद अथवा हल्के रंग के वस्त्र पानी में भीगकर शरीर से चिपक जाते हैं, जिससे सार्वजनिक रूप से महिला को शर्मिन्दगी का सामना करना पड़ सकता है। आप ऐसा व्यवहार हरगिज न करें, जिससे आपके रिश्तेदारों, पति के मित्रों अथवा अन्य पुरूषों को आपसे छेड़छाड़ करने का अनुचित अवसर मिल सके। अपना व्यवहार पूर्णतः संयमित, शालीन और मर्यादित रखें और सामने वाले की कोई गलत हरकत देखने के बाद भी उस पर मौन साधकर उसे और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित न करें। होली खेलने के तुरंत बाद स्नान अवश्य करें लेकिन त्वचा से रंग छुड़ाने के लिए कपड़े धोने के साबुन, मिट्टी के तेल, चूने के पानी, दही, हल्दी इत्यादि का प्रयोग हानिकारक है। चेहरे पर लगे गुलाल को सूखे कपड़े से अच्छी तरह पोंछ लें और रंग लगा हो तो नारियल तेल में रूई डुबोकर अथवा क्लींजिंग मिल्क से हल्के हाथ से त्वचा पर लगा रंग साफ करें। रंग छुड़ाने के लिए नहाने के पानी में थोड़ी सी फिटकरी डाल लें और ठंडे पानी से ही स्नान करें। गर्म पानी से रंग और भी पक्के हो जाते हैं। डिटर्जेंट सोप के बजाय नहाने के अच्छी क्वालिटी के साबुन का उपयोग किया जा सकता है। स्नान के बाद भी त्वचा पर खुजली या जलन महसूस हो तो गुलाब जल में ग्लिसरीन मिलाकर लगाएं। बालों से रंग छुड़ाने के लिए बालों को शैम्पू करें। स्नान के बाद आंखों में गुलाब जल डालें। होली खेलते समय यदि आंखों में रंग चला जाए अथवा आंखों में जलन महसूस हो तो आंखों को मलें नहीं बल्कि तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से मिलें।

होली केवल रंगों की चहल-पहल नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं की गहराई को स्पर्श करने वाला उत्सव है। यदि हमारे उत्साह में असावधानी घुल जाए और उससे किसी की त्वचा, आंखों या पर्यावरण को क्षति पहुंचे तो उत्सव की आत्मा ही आहत हो जाती है। इसलिए होली का सच्चा आनंद तभी है, जब उसमें सजगता और संवेदनशीलता का समावेश हो। बाजार में मिलने वाले रासायनिक रंग क्षणिक चमक अवश्य देते हैं परंतु वे त्वचा रोग, एलर्जी और जल स्त्रोतों के प्रदूषण जैसी समस्याओं को जन्म देते हैं। होली के बाद बहता रंगीन पानी नालियों से होता हुआ नदियों और मिट्टी तक पहुंचता है, जहां वह पारिस्थितिक संतुलन को प्रभावित करता है। इसके विपरीत, प्राकृतिक और हर्बल रंग न केवल सुरक्षित होते हैं बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्य भी स्थापित करते हैं। होली का वास्तविक सौंदर्य संयम, मर्यादा और सावधानी में निहित है। आइए, इस होली हम ऐसा संकल्प लें कि हमारे रंग किसी के लिए कष्ट का कारण न बनें। प्राकृतिक रंगों को अपनाकर, स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा कर हम इस पर्व को सचमुच प्रेम, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक बना सकते हैं।

होली हमारी समृद्ध लोक परंपरा और सांस्कृतिक पहचान:मुख्यमंत्री धामी

पथ प्रवाह, काशीपुर।

काशीपुर नगर निगम परिसर में आयोजित रंगोत्सव होली मिलन समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहभागिता कर जनसमुदाय के साथ होली पर्व की खुशियाँ साझा कीं। समारोह में उपस्थित नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने पारंपरिक कुमाऊँनी होली, शास्त्रीय होली और भजन गायन में भाग लेते हुए उत्सव में रंग भर दिए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें होली जैसे पावन पर्व पर जनता के बीच आने और मिलकर उत्सव मनाने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने काशीपुर नगर निगम की टीम को इस सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम हैं।

उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। यह पर्व हमें एक-दूसरे के करीब लाने और आपसी मतभेद भुलाकर एकता के रंग में रंगने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने अपने बाल्यकाल की होली की स्मृतियाँ साझा करते हुए बताया कि गाँव की

सामूहिक होली में न ऊँच-नीच का भेद होता था और न छोटे-बड़े का अंतर। ढोल-दमाऊँ और हुड़के की थाप पर गूंजते लोकगीत पूरे वातावरण को भक्ति और उल्लास से भर देते थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि आज भी ऐसे आयोजनों में माताओं, बहनों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी यह दर्शाती है कि हमारी सांस्कृतिक जड़ें मजबूत हैं और नई पीढ़ी तक परंपराएँ निरंतर पहुँच रही हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि आधुनिकता के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी लोकसंस्कृति,

लोकगीतों और त्योहारों से जुड़ाव बनाए रखें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक पहचान मिलने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे समय में हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि हम अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं।

काशीपुर के समग्र विकास पर जोर

मुख्यमंत्री ने काशीपुर के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि 133 एकड़ क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर पार्क विकसित किया जा रहा है, जिसमें 16 औद्योगिक इकाइयों का आवंटन हो चुका है। काशीपुर-रामनगर राजमार्ग के चौड़ीकरण के लिए 494 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति दी गई है तथा 3 किलोमीटर लंबा मिनी बाईपास निर्माणाधीन है।

इसके अतिरिक्त 4 करोड़ रुपये की लागत से सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय का निर्माण किया गया है तथा 7 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से काशीपुर, हरिद्वार और ऋषिकेश में ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक की सुविधा प्रारंभ की गई है। लगभग 1950 करोड़ रुपये की फंडिंग से पेयजल, सीवरेज, सड़क सुधार एवं सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से जुड़े कार्य तेजी से प्रगति पर हैं।

उन्होंने बताया कि 1100 करोड़ रुपये की औद्योगिक हब परियोजना और 100 करोड़ रुपये की अरोमा पार्क परियोजना पर भी कार्य चल रहा है। साथ ही बहुमंजिला पार्किंग, नए तहसील कार्यालय का निर्माण और चैती मंदिर को मानसखंड कॉरिडोर से जोड़ने की दिशा में भी कार्य प्रगति पर है, ताकि काशीपुर को आस्था और श्रद्धा के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि काशीपुर देवभूमि का प्रवेश द्वार है और यहाँ आने वाला प्रत्येक यात्री प्रदेश की सांस्कृतिक भव्यता और स्वच्छता का अनुभव करे, यही सरकार का लक्ष्य है।

कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने स्थानीय नागरिकों के साथ होली खेलकर उत्सव का आनंद लिया और सभी प्रदेशवासियों को सुख, शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण होली की शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, शिव अरोरा, मेयर दीपक बाली, मेयर विकास शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

पथरी पुलिस ने पीएसी के साथ निकाला फ्लैग मार्च

पथ प्रवाह, हरिद्वार। होली पर्व के दृष्टिगत शांति व्यवस्था/कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देशन में सीओ मंगलौर अभिनय चौधरी के नेतृत्व में पथरी पुलिस द्वारा पीएसी और आईआरबी के साथ मिलकर ग्राम धनपुरा, फेरुपुर, घिस्सोपुरा, बादशाहपुर, नसीरपुरकला आदि गांव में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान ड्रोन से भी निगरानी की गयी। फ्लैग मार्च के दौरान आमजन से आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्वक मनाने की अपील की गयी तथा यह भी सूचित कराया की शरारती तत्वों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।

युवा विधानसभा में गूंजे रोजगार और 'गढ़भोज' के मुद्दे, नेता प्रतिपक्ष का सरकार पर तीखा प्रहार

पथ प्रवाह, देहरादून। यूसीएफ सदन, देहरादून में आयोजित तीन दिवसीय युवा विधानसभा कार्यक्रम में उस समय माहौल गरमा गया जब नेता प्रतिपक्ष गंगा बहुगुणा ने सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला। राज्यभर से चयनित 70 युवा विधायकों की मौजूदगी में उन्होंने स्थानीय संसाधनों को रोजगार से जोड़ने और पारंपरिक भोजन 'गढ़भोज' के संरक्षण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। सदन को संबोधित करते हुए गंगा बहुगुणा ने कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक संसाधनों, कृषि उत्पादों और कुटीर उद्योगों से समृद्ध प्रदेश है, लेकिन ठोस नीति और प्रभावी क्रियान्वयन के अभाव में इनका पूरा लाभ युवाओं तक नहीं पहुंच पा रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने, युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूत करने तथा स्वरोजगार योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए ठोस रणनीति बनाई जाए। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश के वन उत्पाद, फल-सब्जियां, हस्तशिल्प और पारंपरिक उद्योगों को संगठित बाजार उपलब्ध कराया जाए तो बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित किया जा सकता है। इससे पलायन की समस्या पर भी अंकुश लगेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। इसी दौरान गंगा बहुगुणा ने 'गढ़भोज' का मुद्दा भी सदन में जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की पारंपरिक खानपान संस्कृति प्रदेश की पहचान है, जिसे संरक्षित और प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है। 'गढ़भोज' को बढ़ावा देकर स्थानीय किसानों, स्वयं सहायता समूहों और महिला मंगल दलों को रोजगार से जोड़ा जा सकता है।

पुष्कर सिंह धामी ने भाजपा नेता अनिल शाही की माता के निधन पर जताया शोक

बग्वालीपोखर पहुंचकर दी श्रद्धांजलि, शोक संतप्त परिवार को बंधाया ढांढस

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज भाजपा नेता एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अनिल सिंह शाही के बग्वालीपोखर रेवाड़ी स्थित आवास पर पहुंचकर उनकी माता स्व. रेवती देवी के निधन पर गहरी शोक संवेदनाएँ व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और इस दुःख की घड़ी में धैर्य एवं साहस बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि माता का स्नेह, त्याग और मार्गदर्शन जीवन की अमूल्य पूंजी होता है, जिसकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि परिवार के लिए यह क्षति अत्यंत पीड़ादायक है, लेकिन ऐसे कठिन समय में आत्मबल और

पारिवारिक एकजुटता ही सबसे बड़ी शक्ति बनती है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार और वे स्वयं इस दुःख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े हैं। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

राजीव शर्मा के होली मिलन समारोह में रंग-भक्ति और सामाजिक एकता का संगम

पथ प्रवाह, हरिद्वार

शिवालिक नगर में नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा के संयोजन में आयोजित होली मिलन समारोह ने रंग, भक्ति और सामाजिक समरसता देखने को मिली। हर्षोल्लास, गरिमा और आत्मीयता से ओतप्रोत इस आयोजन में समाज के सभी वर्गों–मातृशक्ति, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों–की व्यापक सहभागिता रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा स्वामी यतीश्वरानंद, महामंडलेश्वर स्वामी हरि चेतनानंद तथा जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। इसके पश्चात भजन संध्या, मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और फूलों की होली ने वातावरण को आध्यात्मिक उल्लास और रंगों की मधुरता से सराबोर कर दिया। सामूहिक आरती के साथ कार्यक्रम का भावपूर्ण समापन हुआ।

अपने संबोधन में नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, पारस्परिक विश्वास और भाईचारे का सशक्त प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि शिवालिक नगर में विकास कार्यों के साथ-साथ सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों को भी समान प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि नगर में सकारात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक चेतना का वातावरण बना रहे। उन्होंने सभी नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए नगर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने का संकल्प दोहराया। स्वामी यतीश्वरानंद ने अपने विचार रखते हुए कहा कि होली हमारे सनातन मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक पर्व है, जो हमें वैमनस्य और भेदभाव से ऊपर उठकर प्रेम और सद्भाव का मार्ग अपनाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने शिवालिक नगर में विकास और संस्कृति के समन्वय की सराहना की। महामंडलेश्वर स्वामी हरि चेतनानंद महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि यह पर्व आत्मशुद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को आध्यात्मिक रूप से सुदृढ़ करते हैं और नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ते हैं।

जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि होली का संदेश संगठन और समाज को एक सूत्र में पिरोने का है। यह पर्व हमें मतभेद भुलाकर प्रेम, सम्मान और सहयोग की भावना से आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

होली के रंगों में सराबोर ऋतु खण्डूड़ी भूषण, कोटद्वार में मनाया होली मिलन

पथ प्रवाह, कोटद्वार

उत्तराखंड विधानसभा की अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने रविवार को कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न होली मिलन कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग कर क्षेत्रवासियों के साथ रंगोत्सव की खुशियां साझा कीं। पूरे दिन चले कार्यक्रमों में स्थानीय नागरिकों, महिलाओं, युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, व्यापारियों और पार्टी कार्यकर्ताओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

दिन की शुरुआत वार्ड नंबर 36, लोकमणिपुर में कुमाऊंनी सामाजिक सांस्कृतिक मैत्री समिति द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह से हुई। कार्यक्रम गढ़-कुमाऊनी संस्कृति की छटा से सराबोर रहा, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक मंडलियों ने लोकगीतों, पारंपरिक नृत्यों और रंगारंग प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हमारी लोक संस्कृति ही हमारी असली पहचान है और इस प्रकार के आयोजन सामाजिक समरसता और भाईचारे को सुदृढ़ करते हैं।

इसके बाद वह भाबर मंडल महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष श्रीमती सिमरन बिष्ट के नेतृत्व में शिव मंदिर, झंडीचौड़ में आयोजित महिलाओं के होली मिलन कार्यक्रम में शामिल हुईं। यहां महिलाओं ने पारंपरिक होली गीतों के साथ उत्सव मनाया। उन्होंने महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि समाज निर्माण में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दोपहर में अपने कैंप कार्यालय प्रांगण में आयोजित होली मिलन समारोह में उन्होंने कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं व्यापारियों के साथ अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर क्षेत्र के विकास और जनसेवा के संकल्प को दोहराया गया।

शाम को कुमकुम गार्डन में श्रीमती लीला कंडवाल एवं उनकी टीम द्वारा आयोजित भव्य होली मिलन समारोह में भी उन्होंने सहभागिता की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और पारंपरिक गीतों के बीच होली का उल्लास पूरे वातावरण में दिखाई दिया।

अपने संबोधन में ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने कहा कि पिछले दो दिनों से वे लगातार विभिन्न होली मिलन कार्यक्रमों में शामिल हो रही हैं और क्षेत्रवासियों के स्नेह से अभिभूत हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में सांसद अनिल बलूनी भी क्षेत्र में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि इस बार की होली कोटद्वार के लिए विकास की नई सौगात लेकर आई है।

उन्होंने जानकारी दी कि लंबे समय से लंबित लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग को लेकर सुप्रीम कोर्ट से रास्ता साफ हो गया है, जिससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। साथ ही सांसद द्वारा कंडी मार्ग के लिए भी शीघ्र कार्य प्रारंभ कराने का आश्वासन दिया गया है, जिससे आने वाले महीनों में कोटद्वार क्षेत्र को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार कोटद्वार के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से विकास कार्यों में सहयोग देने की अपील भी की।

उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल होली मनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, एकता और आपसी भाईचारे का प्रतीक है।

एक नजर

होली और रमजान को लेकर उत्तरकाशी पुलिस अलर्ट

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी। आगामी होली और रमजान पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से उत्तरकाशी पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में रविवार, 1 मार्च 2026 को जिले के विभिन्न थाना एवं कोतवाली क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें विभिन्न समुदायों के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठकों के दौरान पुलिस अधिकारियों ने दोनों प्रमुख पर्वों को आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक समरसता के साथ मनाने पर जोर दिया। उपस्थित लोगों से अपील की गई कि होली के दौरान किसी को जबरन रंग न लगाया जाए, हुड़दंग या अभद्र व्यवहार से बचा जाए तथा नशे की हालत में वाहन चलाने जैसी गतिविधियों से दूर रहें। साथ ही सार्वजनिक शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का आग्रह भी किया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहारों की आड़ में माहौल खराब करने या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जा रही है तथा लगातार गश्त बढ़ा दी गई है। उत्तरकाशी पुलिस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। भ्रामक, भड़काऊ या अफवाह फैलाने वाले संदेश प्रसारित करने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और ऐसे मामलों में तत्काल कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने कहा कि त्योहार आपसी सद्भाव और खुशियों के प्रतीक हैं, इसलिए सभी नागरिक जिम्मेदारी के साथ इन्हें मनाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

इज़रायल-अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद तमिलनाडु सरकार ने तमिलों की मदद के लिये कंट्रोल रूम बनाया

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने ईरान के खिलाफ़ इज़रायल और अमेरिकी हमलों के बाद खाड़ी इलाके में रहने वाले तमिलों की मदद के लिए पूर्णकालिक कंट्रोल रूम बनाए हैं और उनसे अपील की है कि वे गैर-ज़रूरी यात्रा न करें और भारतीय उच्चायोग की तरफ़ से जारी परामर्श का पालन करें। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि राज्य सरकार खाड़ी इलाके में रहने वाले तमिलों को हर मुमकिन मदद देने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरान पर अमेरिका और इज़रायल के हवाई हमलों के बाद तमिलों की सुरक्षा पर चिंता ज़ाहिर करते हुए, उन्होंने अनिवासी तमिलों के पुनर्वास और कल्याण आयुक्तालय को प्रभावित देशों में रहने वाले तमिलों को हर तरह की मदद देने का निर्देश दिया है।

भूस्खलन प्रभावित 12 परिवारों के विस्थापन एवं पुनर्वास के लिए 4.25 लाख रुपये प्रति परिवार स्वीकृत

पथ प्रवाह, पौड़ी।

जनपद पौड़ी गढ़वाल में गत वर्ष अत्यधिक वर्षा के कारण उत्पन्न भूस्खलन की घटनाओं से प्रभावित परिवारों के विस्थापन एवं पुनर्वास की दिशा में जिला प्रशासन के प्रयास सफल हुए हैं। शासन स्तर से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरांत विकासखंड पाबौ के ग्राम सभा सैंजी एवं बुरांसी तथा विकासखंड पौड़ी के ग्राम रैदुल के कुल 12 प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर विस्थापन एवं पुनर्वास हेतु प्रति परिवार ?4 लाख 25 हजार की धनराशि आवंटित कर दी गयी है। इससे प्रभावित परिवारों को नए एवं सुरक्षित आवास निर्माण में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। उल्लेखनीय है कि आपदा के दौरान ग्राम सभा सैंजी में 07, बुरांसी में 02 तथा रैदुल में 03 आवासीय भवन भूस्खलन की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिससे परिवारों के समक्ष सुरक्षित आवास एवं विस्थापन का संकट उत्पन्न हो गया था। आपदा की सूचना प्राप्त होते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति का विस्तृत जायज़ा लिया तथा ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को गंभीरता से सुना। प्रभावित परिवारों द्वारा सुरक्षित स्थान पर स्थायी विस्थापन की मांग रखे जाने पर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने तत्काल संज्ञान लेते हुए क्षतिग्रस्त क्षेत्र का भूगर्भीय सर्वेक्षण कराया। साथ ही वैकल्पिक सुरक्षित भूमि चिन्हित कर शासन स्तर पर प्रस्ताव प्रेषित किया, जिसके परिणामस्वरूप विस्थापन एवं पुनर्वास हेतु आवश्यक धनराशि स्वीकृत करायी गयी। इस दौरान केंद्र सरकार के दल द्वारा भी प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर भौगोलिक परिस्थितियों, क्षति की स्थिति एवं पुनर्वास की आवश्यकता का आकलन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा तैयार प्रस्ताव को शासन ने पुनर्वास नीति-2021 के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान करते हुए आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मद से धनराशि जारी की। जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा से प्रभावित परिवारों का सुरक्षित विस्थापन एवं सम्मानजनक पुनर्वास जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। शासन से प्राप्त 4.25 लाख रुपये प्रति परिवार की सहायता राशि से प्रभावित परिवार सुरक्षित स्थान पर अपने नए आवास का निर्माण कर सकेंगे, जिससे उनके जीवन में स्थिरता एवं सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

इन प्रभावित परिवारों को मिली सहायता राशि :

इस सहायता से लाभान्वित परिवारों में ग्राम बुरांसी के जसवंत सिंह एवं केसर सिंह, ग्राम सैंजी के नीलम सिंह, पवन सिंह, भगत सिंह, विमला देवी, गोपाल सिंह, विमल सिंह एवं जसवंत सिंह तथा ग्राम रैदुल के सुखदेव लाल, सुशील कुमार एवं सुरेश कुमार शामिल हैं। जिला प्रशासन की इस पहल से प्रभावित परिवारों को सुरक्षित भविष्य की नयी आशा मिली है तथा यह कार्य आपदा प्रभावितों के प्रति शासन एवं प्रशासन की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है।

कुकुड़ा माई मंदिर बनेगा आस्था और पर्यटन का नया केंद्र

पथ प्रवाह, बागेश्वर

जनपद बागेश्वर के कुमाऊँ अंचल में लगभग 1400 मीटर की ऊंचाई पर बांस, बदांश, काफल, देवदार एवं चीड़ के घने वनों के मध्य स्थित कुकुड़ा माई मंदिर आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम प्रस्तुत कर रहा है। शांत, सुरम्य और आध्यात्मिक वातावरण से परिपूर्ण यह स्थल श्रद्धालुओं के साथ-साथ प्रकृति प्रेमियों को भी आकर्षित करता है।

मंदिर मां दुर्गा के अवतार रूप में पूजित देवी कुकुड़ा माई को समर्पित है। जनश्रुतियों के अनुसार देवी ने एक स्थानीय चरवाहे को स्वप्न में दर्शन देकर इस स्थान पर मंदिर निर्माण का निर्देश दिया था। तभी से यह स्थल क्षेत्रवासियों की गहरी आस्था का केंद्र बन गया और दूर-दराज से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

प्रत्येक वर्ष अप्रैल माह में आयोजित होने वाला कुकुड़ा माई उत्सव हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों, भजन-कीर्तन और मेले का आयोजन होता है, जिससे स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को भी नई ऊर्जा मिलती है। धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से यह आयोजन विशेष महत्व रखता है और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी गति प्रदान करता है।

हाल ही में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने क्षेत्र का भ्रमण कर मंदिर की ऐतिहासिक एवं पौराणिक पृष्ठभूमि की जानकारी ली तथा मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा और प्रभागीय वनाधिकारी आदित्य रत्ना भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मंदिर परिसर और संपर्क मार्ग की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए आवश्यक सुधार कार्यों के निर्देश दिए।

क्षेत्र में विद्युत एवं पेयजल से संबंधित चुनौतियों के समाधान हेतु जिला प्रशासन द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। मंदिर परिसर एवं मार्ग में सोलर लाइटें स्थापित की जा चुकी हैं, जिससे श्रद्धालुओं को रात्रि में भी सुविधा मिल सके। साथ ही जल एवं विद्युत व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने की प्रक्रिया प्रगति पर है।

जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने कुकुड़ा माई मंदिर क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत संभावनाशील बताते हुए कहा कि जिला प्रशासन इस सुंदर एवं आध्यात्मिक स्थल को बागेश्वर के प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वच्छता, सुगम पहुंच मार्ग, प्रकाश व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से इस क्षेत्र को धार्मिक एवं प्रकृति पर्यटन के मानचित्र पर सशक्त पहचान दिलाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

एक नजर

उत्तरकाशी में आरटीई के तहत 25% आरक्षित सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया शुरू, 30 अप्रैल तक होंगे दाखिले

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12(1)(ष्ट) के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए जनपद उत्तरकाशी के मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में अपवंचित एवं कमजोर वर्ग के बच्चों हेतु 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर प्रवेश की ऑनलाइन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के दिशा-निर्देशानुसार शिक्षा विभाग ने विस्तृत समय-सारणी और पात्रता मानदंड जारी करते हुए अभिभावकों से समय पर आवेदन करने की अपील की है।

विभाग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 06 मार्च से 15 मार्च 2026 तक स्कूलों का डेटा अपडेट और नवीन विद्यालयों का ऑनलाइन पंजीकरण किया जाएगा। 23 मार्च तक खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा मान्यता, वार्ड/ग्राम पंचायत एवं आरक्षित सीटों का सत्यापन किया जाएगा। छात्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अवधि 24 मार्च से 02 अप्रैल 2026 तक निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज 03 अप्रैल तक संबंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करने होंगे। 13 अप्रैल तक पात्रता की पुष्टि की जाएगी, जबकि 17 अप्रैल को लॉटरी प्रक्रिया आयोजित होगी। 18 अप्रैल तक परिणाम पोर्टल और उप शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध करा दिए जाएंगे। चयनित छात्रों का प्रवेश 18 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक पूर्ण किया जाएगा।

आयु सीमा के अनुसार प्री-प्राइमरी कक्षाओं में प्रवेश के लिए 30 जून 2026 को न्यूनतम आयु 3 वर्ष तथा कक्षा-1 के लिए 6 वर्ष पूर्ण होना अनिवार्य है। कमजोर वर्ग में वे अभिभावक शामिल हैं जिनकी वार्षिक आय ?55,000 या उससे कम है अथवा जो ग्रामीण क्षेत्र के बीपीएल कार्ड धारक हैं। अपवंचित वर्ग में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर), अनाथ, दिव्यांग एवं ॥ढ्ढङ्क प्रभावित माता-पिता के बच्चे पात्र होंगे। तलाकशुदा या विधवा महिला के बच्चों के लिए आय सीमा ?80,000 से कम निर्धारित की गई है।

ऑनलाइन आवेदन के बाद अभिभावकों को जन्म प्रमाण पत्र, आय एवं जाति प्रमाण पत्र सहित आवश्यक दस्तावेज खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा कर रसीद प्राप्त करना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए अभिभावक हेल्पलाइन नंबर 18001804132, 0135-2781942 या 9557098463 पर संपर्क कर सकते हैं। शिक्षा विभाग ने प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने की बात कही है।

मोदी ने 2,700 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन, शिलान्यास

पुडुचेरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया और 'बेस्ट पुडुचेरी' के लिए काम करते रहने की प्रतिबद्धता दोहरायी। मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह केंद्र शासित प्रदेश उनके 'बेस्ट पुडुचेरी' यानी व्यापार, शिक्षा, आध्यात्मिकता और पर्यटन पर केंद्रित के दृष्टि की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वह पुडुचेरी के अद्भुत लोगों के बीच आकर प्रसन्न हैं। उन्होंने कहा कि आज शुरू हुई परियोजनाएँ प्रदेश के लोगों के जीवन को सुगम बनाने और क्षेत्र में आर्थिक विकास को तेज़ करने में सहायक होंगी। उन्होंने कहा, 'पिछले साढ़े चार वर्षों में, इस दृष्टिकोण ने सुशासन और विकास को जन्म दिया है, जिसका प्रमाण प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि और देश में सर्वोच्च सामाजिक प्रगति सूचकांक स्कोर है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कई महत्वपूर्ण पहलों का उद्घाटन किया, जिनमें पीएम ई-बस सेवा पहल के तहत ई-बसों का शुभारंभ, स्मार्ट सिटी मिशन के तहत एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर, सिटीज़ (सीआईटीआईआईएस) पहल के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आवास इकाइयाँ, तथा पुडुचेरी सरकार की प्रमुख सीवरेज और जल आपूर्ति परियोजनाएं शामिल हैं। ये परियोजनाएँ शहरी गतिशीलता में सुधार, नागरिक अवसंरचना को सुदृढ़ करने और प्रौद्योगिकी आधारित शासन के माध्यम से बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार की गयी हैं। उच्च शिक्षा और अनुसंधान को बड़ा प्रोत्साहन देते हुए श्री मोदी ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कराईकल में कॉम्पोजिट इंजीनियरिंग ब्लॉक, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ब्लॉक और गंगा छात्रावास का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने पांडिचेरी विश्वविद्यालय में नए एनेक्सी भवनों, व्याख्यान कक्षों और छात्रावासों का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने देशभर में अवसंरचना विकास को रेखांकित करते हुए इस वर्ष के बजट में आवंटित रिकॉर्ड 12 लाख करोड़ रुपये का उल्लेख किया। श्री मोदी ने कहा, 'पुडुचेरी को अब 'राज्यों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता' योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है, जो पहले केवल राज्यों तक ही सीमित थी; इससे सड़कों, जल आपूर्ति, स्कूलों, अस्पतालों और ऐसी ही कई अन्य परियोजनाओं जैसी आवश्यक अवसंरचना के लिए अधिक धन उपलब्ध होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, 'एक मजबूत और सशक्त युवा हमारे देश की विकास की नींव है। हम उनके सपनों को समर्थन देने के लिए काम कर रहे हैं। एनआईटी कराईकल में नया डॉ एपीजे अब्दुल कलाम इंजीनियरिंग ब्लॉक और आधुनिक छात्रावास विद्यार्थियों के लिए तकनीकी शिक्षा हासिल करने में सहायक होगी। पांडिचेरी विश्वविद्यालय में अवसंरचना उन्नयन बेहतर शिक्षण वातावरण और अनुसंधान के अवसर पैदा करेगा।' इस दौरान उन्होंने हजारों रिक्त पदों को भरने के बाद सरकार में शामिल हुए युवाओं को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में विश्व स्वच्छ और हरित परिवहन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन दैनिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी जैसे पर्यटन केंद्र में प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के तहत उपलब्ध कराई जा रही इलेक्ट्रिक बसें प्रदूषण कम करने में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती हैं। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ने परिवारों को स्थिरता और सम्मान प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई गई आवास परियोजनाओं के साथ-साथ पुडुचेरी, कराईकल, माहे और यानम में चल रही कई सौ करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उल्लेख किया। इन पहलों में स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के लिए जल विलवणीकरण संयंत्र, अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार के लिए नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और मानसून के दौरान बाढ़ और जलभराव को कम करने के लिए चल रहे कार्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारे सभी प्रयास पुडुचेरी के लोगों के लिए जीवन को सुगम बनाने की दिशा में हैं। स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा अवसंरचना को भी महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला। श्री मोदी ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (जिपमेर) में क्षेत्रीय कैंसर केंद्र के आधुनिकीकरण का उद्घाटन किया और प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-अभीम) के तहत तीन क्रिटिकल केयर ब्लॉक्स की आधारशिला रखी।

प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कर रही कार्य: डॉ. धनसिंह रावत

पथ प्रवाह, पौड़ी।

प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने रविवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज के बेस चिकित्सालय श्रीनगर में राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि देश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हाई-टेक एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर बेस चिकित्सालय को समर्पित किया तथा अस्पताल परिसर में तीन करोड़ रुपये की लागत से तीन मंजिला पार्किंग बनाने की बात भी कही।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण का निःशुल्क अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत प्रदेश की 1 लाख 22 हजार बेटियों को 90 दिनों के वृहद अभियान में टीका लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में 155 टीकाकरण केंद्र स्थापित किए गए हैं और यह टीका सरकार द्वारा पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। मंत्री ने इसे आयुष्मान योजना के बाद बेटियों की सुरक्षा की दिशा में सबसे बड़ा और ऐतिहासिक कदम बताया। इस अवसर पर उन्होंने टीकाकरण के लिए पहुंची बालिकाओं को शुभकामनाएं दीं और प्रमाण पत्र भी वितरित किए। स्थानीय लोगों ने एचपीवी टीकाकरण अभियान और हाई-टेक एंबुलेंस की सौगात के लिए मंत्री का आभार व्यक्त किया।

मंत्री ने कहा कि बेस चिकित्सालय में प्रतिदिन एक हजार से अधिक मरीज पहुंचते हैं। मरीजों और तीमारदारों की सुविधा को देखते हुए तीन करोड़ रुपये की लागत से बहुमंजिला पार्किंग का निर्माण कराया जाएगा, जिसके लिए शीघ्र शासनादेश जारी कर भूमि पूजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूरे जिले में अब तक विधायक निधि से सात एंबुलेंस उपलब्ध करायी जा चुकी हैं, जिससे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिली है। डॉक्टरों, छात्रों और अन्य स्टाफ की आवासीय समस्या के समाधान के लिए डैम कॉलोनी में 400 नाली भूमि पर आवासों का निर्माण किया जाएगा। मेडिकल कॉलेज को लगभग 30 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध करायी जा चुकी है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश के 95 ब्लॉकों में रेडियोलॉजिस्ट और तकनीशियन तैनात किए जाएंगे। प्रत्येक ब्लॉक अस्पताल में एक्सरे मशीन उपलब्ध कराई जा रही है और रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति के साथ ही अल्ट्रासाउंड मशीन भी स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि ब्लॉक स्तर पर अल्ट्रासाउंड सुविधा मिलने से गर्भवती महिलाओं को जांच के लिए अन्य स्थानों पर नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ही हर ब्लॉक में एक महिला डॉक्टर की नियुक्ति की जाएगी, जिससे महिलाओं को प्रसव एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए स्थानीय स्तर पर ही बेहतर सुविधा मिल सके।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. शिव मोहन शुक्ला, प्रभारी प्राचार्य डॉ. विनीता रावत, डॉ. विमल गुंसाई, डॉ. दीपा हटवाल सहित अन्य अधिकारी और चिकित्सक तथा अस्पताल का अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

पहाड़ी व्यंजनों की खुशबू से महक रहा दीदी कैफे, बाहर से भी पहुंच रहे लोग

पथ प्रवाह पौड़ी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों से प्रदेश में महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने तथा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार प्रभावी पहल की जा रही है। पौड़ी जिले के विकासखंड पौड़ी मुख्यालय में संचालित दीदी कैफे ने अल्प समय में अपनी अलग पहचान बना ली है।

इस कैफे में जहां स्थानीय समूह की महिलाएं रोजगार से जुड़ रही हैं, वहीं पहाड़ी व्यंजनों को बढ़ावा देकर यह कैफे क्षेत्र के लिए आकर्षण का केंद्र भी बन गया है। कैफे का संचालन समूह की 4 महिलाएं तथा 2 पुरुष रसोइये कर रहे हैं। कैफे में आने वाले लोगों को पारंपरिक पहाड़ी स्वाद परोसा जा रहा है। यहां पहाड़ी दाल, चौंसा, लाल चावल का भात, कंडाली की सब्जी, मंडुवे की रोटी सहित कई स्थानीय व्यंजन तैयार किए जाते हैं। खास बात यह है कि पहाड़ी भोजन के साथ-साथ मंडुवे के मोमो भी लोगों की पसंद बन चुके हैं, जिसकी मांग लगातार बढ़ रही है।

गौरतलब है कि दीदी कैफे के भवन का मरम्मत कार्य जिला योजना के माध्यम से कराया गया था। वहीं हिमोत्थान समिति देहरादून (टाटा ट्रस्ट) के सहयोग से कैफे को बर्तन एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध करायी गयी हैं। इससे कैफे की सुविधाएं बेहतर हुई हैं और संचालन को मजबूती मिली है। कैफे से प्रतिदिन औसतन 3500 से 4 हजार रुपये की कमाई हो रही है।

वहीं महीने में इसका टर्नओवर 1 लाख से 1.20 लाख रुपये तक पहुंच रहा है। वार्षिक टर्नओवर लगभग 12 से 13 लाख रुपये है, जिसमें से वार्षिक की करीब 4.50 से 5 लाख रुपये तक की शुद्ध बचत हो रही है। कैफे में स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहर से आने वाले पर्यटक और आगंतुक भी पहाड़ी व्यंजनों का स्वाद लेने पहुंच रहे हैं। इससे समूह से जुड़ी महिलाओं को नियमित रोजगार मिल रहा है और स्थानीय उत्पादों को भी बढ़ावा मिल रहा है।

मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने कहा कि दीदी कैफे महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में एक सफल मॉडल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय पहाड़ी व्यंजनों को बाजार से जोड़कर महिलाओं की आय बढ़ायी जा रही है। दीदी कैफे के माध्यम से समूह की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और यह पहल अन्य समूहों के लिए भी प्रेरणादायक है।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने प्रेस क्लब में पत्रकारों को दी होली की शुभकामनाएं

पथ प्रवाह, हरिद्वार

हरिद्वार प्रेस क्लब में रविवार को धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने रंगों के इस पर्व को आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाया।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी, महामंत्री दीपक मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. शिवशंकर जायसवाल, सुनीलदत्त पांडे, आदेश त्यागी और डॉ. रजनीकांत शुक्ल ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी का तिलक लगाकर एवं फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

कार्यक्रम में सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, विधायक मदन कौशिक, वरिष्ठ कांग्रेस नेता महेश प्रताप राणा एवं ओपी चौहान सहित अनेक अतिथियों ने शिरकत कर सभी को होली की बधाई दी।

समारोह के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने वातावरण को और भी उल्लासपूर्ण बना दिया। शांतिकुंज के कलाकारों ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जबकि बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों से पूरा परिसर उत्सवमय हो उठा।

पत्रकारों ने एक-दूसरे पर पुष्पवर्षा कर होली खेली और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी और महामंत्री दीपक मिश्रा ने कहा कि होली भारतीय संस्कृति का द्योतक पर्व है, जो एकता और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने सभी से देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए मिलजुल कर प्रयास करने का आह्वान किया।

वरिष्ठ पत्रकारों ने अपने विचार रखते हुए कहा कि पत्रकार समाज सदैव सामाजिक सरोकारों से जुड़ा रहता है और सांस्कृतिक व धार्मिक गतिविधियां समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करती हैं।

कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित पत्रकारों को उपहार वितरित किए गए और सभी ने मिलकर पारंपरिक होली व्यंजनों का आनंद लिया। समारोह में बड़ी संख्या में पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिससे आयोजन सफल और यादगार बन गया।

पुष्प प्रदर्शनी प्रतियोगिता की सर्वाधिक श्रेणियों में पुरस्कार ''रनिंग ट्राफी'' आईआईटी रुड़की के नाम

पथ प्रवाह, देहरादून

लोक भवन देहरादून में तीन दिवसीय वसंतोत्सव का रविवार को समापन हो गया। वसंतोत्सव के इन तीन दिनों में बड़ी संख्या में लोगों ने पुष्पों के प्राकृतिक सौंदर्य और अन्य कार्यक्रमों का भरपूर आनंद लिया। वसंतोत्सव-2026 में इस वर्ष की चल वैजंती (रनिंग ट्राफी) आईआईटी रुड़की को मिली।

इस वर्ष आईआईटी रुड़की ने 13 श्रेणियों में पुरस्कार जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं 04 श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त कर ओएनजीसी को दूसरा स्थान मिला। वसंतोत्सव में 15 श्रेणियों की 54 उप श्रेणियों में 161 पुरस्कार वितरित किये गये। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने पुष्प प्रदर्शनी प्रतियोगिताओं, रंगोली तथा बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता, फोटो प्रतियोगिता आदि श्रेणियों के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

वसंतोत्सव- 2026 में इस वर्ष पहली बार गवर्नर्स अवार्ड की शुरुआत की गई, जिसके अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों, महिला कृषकों तथा स्टार्टअप के माध्यम से नवाचार कर रहे युवा कृषकों को सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले चयनित कृषकों की श्रेणी में बागेश्वर जनपद के दीपक गडिया को प्रथम, रुद्रप्रयाग जनपद के कपिल शर्मा को द्वितीय तथा पिथौरागढ़ जनपद के शुभम सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला कृषकों की श्रेणी में चंपावत जनपद की राधा राणा को प्रथम, अल्मोड़ा जनपद की कविता मेहरा को द्वितीय तथा पौड़ी गढ़वाल जनपद की शांति जुयाल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। स्टार्टअप के माध्यम से नवाचार कर रहे अग्रणी युवा कृषकों की श्रेणी में टिहरी जनपद के देवेंद्र सिंह चौहान को प्रथम, नैनीताल जनपद के पंकज मेहता को द्वितीय तथा हरिद्वार जनपद के उज्ज्वल सैनी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

समापन समारोह में आईएमए और आईटीबीपी के पाइप बैंड के मधुर धुनों ने समापन समारोह को और आकर्षक बना दिया। उपस्थित दर्शकों ने जिसका पूरा आनंद लिया और पाइप बैंड की धुनों की सराहना की।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि इन तीन दिनों में लोक भवन में आई लगभग साढ़े तीन लाख जनता के चेहरे पर जो प्रसन्नता और संतोष दिखाई दिया, वही इस आयोजन की सबसे बड़ी सफलता है। राज्यपाल ने कहा कि वसंतोत्सव-2026 की मूल भावना यह रही कि फूलों के माध्यम से व्यक्ति के भीतर सकारात्मकता, संतुलन और रचनात्मकता का संचार हो। उन्होंने कहा कि शोध के आधार पर उद्यान विभाग द्वारा स्थापित स्टॉलों में यह प्रदर्शित किया गया कि किस प्रकार पुष्प मानव जीवन में स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आनंद का स्रोत बन सकते हैं।

राज्यपाल ने नवाचार को विकसित भारत 2047 की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण मंत्र बताते हुए कहा कि इस उत्सव में प्रत्येक स्टॉल और प्रस्तुति में नई सोच और रचनात्मकता दिखाई दी। उन्होंने 'रिद्मिक योगा', दिव्यांग बच्चों की योग प्रस्तुतियाँ एवं वुशु प्रदर्शन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉलों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड की नारी शक्ति आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरणादायक कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में कहा कि वसंतोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड की प्राकृतिक संपदा, कृषि शक्ति और उभरती हरित अर्थव्यवस्था का उत्सव है। उन्होंने कहा कि वसंत ऋतु प्रकृति के श्रृंगार के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक प्रसन्नता का संदेश देती है। लोक भवन में सुसज्जित विविध पुष्पों की रंगत और सुगंध राज्य की समृद्ध जैव-विविधता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के अनुशासन, राष्ट्रनिष्ठा और दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में राज्य निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक नवाचार के समन्वय से स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में विशिष्ट पहचान दिलाई जा सकती है। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों, महिलाओं एवं युवाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड की दिशा में सशक्त कदम बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में राज्य में लगभग 656 हेक्टेयर क्षेत्र में व्यावसायिक पुष्प खेती की जा रही है, जो कम लागत में अधिक आय का सशक्त माध्यम बन रही है। राज्य सरकार द्वारा समग्र पुष्प नीति, मंडी शुल्क में छूट, विपणन सुविधा एवं मौनपालन अनुदान जैसी योजनाओं के माध्यम से किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगभग 1200 करोड़ रुपये की लागत से नई सेब नीति, कीवी नीति, स्टेट मिलेट मिशन एवं ड्रैगन फ्रूट नीति लागू की गई है। इन योजनाओं के अंतर्गत बागवानी को बढ़ावा देने हेतु 80 प्रतिशत तक सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

कार्यक्रम में कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, विधायक खजान दास, विधायक सविता कपूर, प्रथम महिला गुरमीत कौर, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी गीता धामी, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी कौशल किशोर शुक्ल, सचिव उद्यान एस. एन. पाण्डेय, अपर सचिव राज्यपाल रीना जोशी, निदेशक उद्यान एस.एल. सेमवाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

होली मिलन समारोहों में दिखे सियासी रंग, नेताओं ने किया शक्ति प्रदर्शन

भाजपा में गुटबाजी के संकेत, कांग्रेस में संगठनात्मक कमजोरी उजागर

पथ प्रवाह, नवीन चौहान

हरिद्वार में आयोजित विभिन्न होली मिलन समारोह इस बार केवल रंगों और उल्लास तक सीमित नहीं रहे, बल्कि इनमें सियासी रंग भी खुलकर दिखाई दिए। अलग-अलग आयोजनों में नेताओं ने अपनी-अपनी ताकत का प्रदर्शन किया और आगामी राजनीतिक समीकरणों के संकेत भी दिए।

भारतीय जनता पार्टी के नगर विधायक मदन कौशिक ने ऋषिकुल मैदान में अपने पारंपरिक अंदाज में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया। अपने समर्थक वर्ग और परंपरागत वोट बैंक को आमंत्रित कर उन्होंने जमकर रंग-गुलाल उड़ाया। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार लोकसभा से सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत की उपस्थिति ने आयोजन को राजनीतिक महत्व प्रदान किया। ढोल-नगाड़ों और संगीत की धुनों के बीच फूलों की होली खेली गई और समर्थकों की बड़ी संख्या ने मंच की शोभा बढ़ाई।

वहीं भाजपा के रानीपुर विधायक आदेश चौहान भी होली के रंग में पूरी तरह सराबोर नजर आए। उन्होंने अपने क्षेत्र में आयोजित समारोह में समर्थकों के साथ शक्ति प्रदर्शन किया। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत की मौजूदगी उनके खेमे को मजबूती दी और उनके समर्थकों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

इसी क्रम में भाजपा के शिवालिक नगर पालिका परिषद के चेयरमैन राजीव शर्मा ने रानीपुर विधानसभा क्षेत्र में होली मिलन समारोह आयोजित कर अपनी राजनीतिक सक्रियता का संदेश दिया। उन्होंने पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित कर अपनी दावेदारी को मजबूती देने का प्रयास किया। राजनीतिक गलियारों में इसे रानीपुर विधानसभा में संभावित दावेदारी के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। उल्लेखनीय रहा कि इस आयोजन में सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत की दूरी चर्चा का विषय बनी रही। वही नगर विधायक मदन कौशिक की विधानसभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता उज्ज्वल पंडित का अलग होली मिलन समारोह और स्वामी यतीश्वरानंद की मौजूदगी ने गुटबाजी को हवा दी। उज्जवल पंडित की दावेदारी को मजबूती प्रदान करने का प्रयास किया गया। पांच बार विधायक रह चुके मदन कौशिक के खिलाफ पार्टी के भीतर दूसरे गुट की सक्रियता इस आयोजन में स्पष्ट रूप से दिखाई दी। उधर, कांग्रेस के होली मिलन समारोहों में अपेक्षा के अनुरूप भीड़ नहीं जुट पाई, जिससे संगठनात्मक कमजोरी की झलक देखने को मिली। रानीपुर विधानसभा से पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रहे राजबीर चौहान ने भी कार्यक्रम के माध्यम से अपनी राजनीतिक सक्रियता दर्शाई और भविष्य की संभावनाओं के संकेत दिए। कुल मिलाकर इस वर्ष के होली मिलन समारोह केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं रहे, बल्कि साल 2027 के विधानसभा चुनाव से पूर्व का शक्ति प्रदर्शन का मंच बनते नजर आए। रंगों के इस पर्व पर सियासत की आहट ने आगामी चुनावी समीकरणों की झलक भी पेश कर दी।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाइट- www.pathpravah.com